

## सीसीएल और झारखंड चड़ियाघर प्राधकिरण के बीच समझौता ज्जापन पर हस्ताक्षर चर्चा में क्यों?

4 दसिंबर, 2021 को झारखंड की राजधानी में सेंटरल कोलफील्ड्स लमिटेड (सीसीएल) और झारखंड चड़ियाघर प्राधकिरण के बीच 36 लाख रुपए के समझौता ज्जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कये गए ।

### प्रमुख बदि

- एमओयू की शर्तों के तहत सीसीएल कंपनी की सीएसआर पहल के एक हस्से के रूप में रांची के भगवान बरिसा बायोलॉजिकल पार्क में तीन साल के लये शेरों और बाघों की एक जोड़ी को गोद लेगा । सीसीएल तीन साल तक पशुओं के रख-रखाव, भोजन और स्वास्थय से संबंधति सभी खर्चों को वहन करेगी ।
- जीएम (सीएसआर), सीसीएल, बाला कृषणा लाडी और प्रधान मुख्य वन संरक्षक और नदिशक भगवान बरिसा जैवकि उद्यान, जब्बर सहि ने दोनों संगठनों के बीच समझौता ज्जापन पर हस्ताक्षर कये ।
- इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी, पीएम प्रसाद ने कहा कि कंपनी टकिऊ खनन के माध्यम से आत्मनरिभर भारत के वजिन को पूरा करने के लये प्रतबिद्ध है ।
- वन्यजीव संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है । जानवरों को गोद लेने से जानवरों के संरक्षण के महत्त्व के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने में मदद मल्लेगी ।
- सेंटरल कोलफील्ड्स लमिटेड का मुखयालय दरभंगा हाउस, रांची में है, जो महारत्न कोल इंडिया लमिटेड की सहायक कंपनयियों में से एक है । झारखंड के आठ ज़िलों में इसकी परचालन खदानें हैं । सीसीएल ने पर्यावरण संरक्षण और हतिधारकों के समावेशी वकिस को सुनश्चिति करने के लये वभिन्न पहल की हैं ।